RAN-2301001201030531

RAN-2301001201030531 / 2601006501030303

F.Y.B.A. (NCP-NEP) (Minor-1) (Sem. I) Examination April - 2026

Hindi (Minor - 1) : Hindi Kavya 'Sanjivani' Sohanlal Dwivedi (Paper - I)

Time: 2 Hours] **[Total Marks: 50**

સૂચના : / Instructions
(1) ઉપરોક્ત દર્શાવેલ વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fill up strictly the above details on your answer book.

Seat No.:

Student's Signature

प्र. 1 निम्न में से किन्ही पांच प्रश्नों के संक्षिप्त में उत्तर दीजिए : **(10)**

(1) प्रबंधकाव्य के कितने भेद है ?
(2) देवयानी किसकी एकलौती पुत्री थी ?
(3) 'संजीवनी' काव्य का नायक कौन है ?
(4) 'संजीवनी' का काव्यप्रकार कौन-सा है ?
(5) कच के आगमन से किसको संशय होता है ?
(6) 'संजीवनी' काव्य में कितने सर्ग है ?
(7) 'संजीवनी' काव्य में किसका प्रेम-चित्रण हुआ है ?

प्र. 2 कवि सोहनलाल जी का वैयक्तिक एवं साहित्यिक परिचय दीजिए । **(13)**

अथवा

प्र. 2 ''संजीवनी'' खंडकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए । **(13)**

प्र. 3 देवयानी का चरित्र-चित्रण कीजिए । **(13)**

अथवा

प्र. 3 'संजीवनी' खंडकाव्य के आधार पर कच की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । **(13)**

प्र. 4 (अ) टिप्पणी लिखिए : **(07)**

(1) 'संजीवनी' में रस-योजना ।

अथवा

(1) 'संजीवनी' शीर्षक की सार्थकता ।

प्र. 4 (ब) ससंदर्भ व्याख्या कीजिए: **(07)**

(1) ''असुर मर-मर पुनः जी
उठते समर सन्नद्ध,
नई ऊर्जा, ऊष्मा,
तूणीर- शर कटिबद्ध''

अथवा

(1) ''देवयानी का देखा रूप,
खडी जैसे करुणा साकार,
अंक भर लेने को निश्शंक,
रही स्नेहांचल सुखद पसार ।''